हिन्दी विभाग
वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

राजकीय कन्या महाविद्यालय,अजमेर के हिन्दी विभाग द्वारा सत्र पर्यन्त नियमित कक्षाओं के संचालन के साथ-साथ निम्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया गया-

1. हिन्दी दिवस समारोह **-14** सितम्बर **2022**

राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर में दिनांक 14 /9/2022 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर एवं हिंदी विभाग, राजकीय कन्या महाविद्यालय , अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी साहित्य का समकाल एवं सामाजिक समरसता' विषय पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगोष्ठी के समन्वयक डॉ. बसंत सिंह सोलंकी, संयोजक- डॉ. शमा खान, हिन्दी विभाग प्रभारी तथा आयोजन सचिव- श्रीमती अलका पँवार,डॉ.विमलेश शर्मा रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं प्रबुद्ध साहित्यकारों डॉ. सुनीता पचौरी , विशिष्ट अतिथि श्री रासबिहारी गौड़ , श्री बख्शीश व डॉ. मधु खंडेलवाल एवं मुख्य वक्ता डॉ. सत्यदेव रहे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने की | इस अवसर पर डॉ. लीलू व्यास ने सुमधुर स्वर में सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। डॉ. सत्यदेव ने अपने उद्बोधन में बताया कि भाषा मनुष्य की विशिष्ट उपलब्धि है। भाषा और साहित्य का दायरा असीमित है, साहित्य का अनुशीलन हमें दिव्यता प्रदान करता है। संगोष्ठी डॉ.मंजुला मिश्रा (प्राचार्य) की अध्यक्षता में संपादित हुई । संगोष्ठी के समन्वयक डॉ. बसंत सिंह सोलंकी, संयोजक- डॉ. शमा खान, हिन्दी विभाग प्रभारी तथा आयोजन सचिव- श्रीमती अलका पँवार,डॉ.विमलेश शर्मा रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री रासबिहारी गौड़ ने अपने उद्बोधन में बताया कि किसी भी भाषा को उस भाषा का साहित्य समृद्ध करता है। साहित्य जब संवेदना जगाना सीख लेता है, तब वह परिवर्तन का वाहक बनता है।

मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता पचौरी ने अपने उद्बोधन में बताया कि हिंदी हमारे मूल भावों- भावनाओं की भाषा है। 'लोकल डायलेक्ट' या भाषा के क्षेत्रीय रूप भाषा के सौंदर्य को परिवर्धित करते हैं। साहित्य पढ़ना और रचना, भाषा के प्रति हमारी समझ को विकसित करता है। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्या डॉ. मंजुला मिश्रा ने अपने उद्बोधन में हिंदी भाषा का महत्व समझाते हुए बताया कि हिंदी हमारे व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा है। सहजता के साथ इसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. शमा खान, सह आचार्य, राजकीय कन्या महाविद्यालय , अजमेर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी बुद्धि के साथ जब दिल में उतरती है तभी प्रभाव पूर्ण होती है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ' तरंगिणी " का विमोचन किया गया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता श्री अनंत भटनागर द्वारा की गई। इस सत्र में डॉ. प्रवीण मिर्धा एवं डॉ. बबीता काजला

गंगानगर ने पत्र - वाचन किया। इस सत्र के अध्यक्ष डॉ. अनंत भटनागर ने कहा कि विभाजन को तोड़ना ही समरसता को स्वीकार करना है।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. सुनीता अवस्थी ने की। तथा संचालन डॉ. विमलेश शर्मा ने किया। इस सत्र में श्री भुवनेश, सांभर, डॉ. विमलेश शर्मा , श्रीमती ज्योति(राजकीय महाविद्यालय,बहरोड़,) श्री सौम्य, भरतपुर, ने पत्र - वाचन किया एवं कार्यक्रम का समापन डॉ.मंजूश्री गुप्ता की कविता के साथ हुआ।

दीप प्रज्ज्वलन- प्राचार्य डॉ.मंजुला मिश्रा एवं अतिथियों द्वारा

पत्र वाचन- डॉ.प्रवीण मिर्धा, सह-आचार्य,अंग्रेजी

कॉलेज मैग़ज़ीन-तरंगिणी का विमोचन

कार्यक्रम संयोजक- डॉ.शमा खान

द्वितीय सत्र -अध्यक्षता डॉ.सुनीता अवस्थी द्वारा

पत्रवाचन-डॉ.विमलेश शर्मा

पत्र वाचन- डॉ.बबीता काजल द्वारा

पत्र वाचन-डॉ.ज्योति द्वारा

◂ Search

अजमेर

कालजयी साहित्यकारों से सृजन की प्रेरणा लेने का आह्वान

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. काइद अली खां ने की। मुख्य वक्ता अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल दाधीच ने महादेवी वर्मा, निराला, मैथिली शरण गुप्त एवं दिनकर का उदाहरण देते हुए कहा कि इनके साहित्य को पढ़ने से रसानुभूति होती है। उन्होंने अंग्रेजी साहित्यकारों एवं हिन्दी साहित्यकारों के साहित्य पर तुलनात्मक दृष्टिकोण भी रखा। डॉ. रेखा यादव ने हिन्दी के प्रचार-प्रसाद में विद्यार्थियों के योगदान की बात कही। डॉ. सीमा गर्ग ने कहा कि हमारे प्राचीन शास्त्र एवं साहित्य में विपुल मात्रा में ज्ञान भरा हुआ है। हम उसका दोहन नहीं कर रहे पर विदेशों में हमारे प्राचीन ग्रंथों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर शोध हो रहे हैं। हिन्दी विभाग की सह आचार्य डॉ. ललिता शर्मा एवं दर्शनशास्त्र की विभागाध्यक्ष एवं डॉ. रेखा यादव ने भी हिंदी पर विचार व्यक्त किए।

साहित्य से विकसित होती है भाषा के प्रति समझ

राजकीय कन्या महाविद्यालय में राजस्थान साहित्य अकादमी और महाविद्यालय के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "हिंदी साहित्य का समकाल एवं सामाजिक समरसता' विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता पचौरी ने कहा कि हिंदी हमारे मूल भावों की भाषा है। इसके क्षेत्रीय रूप भाषा के सौंदर्य को परिवर्धित करते हैं। साहित्य से भाषा के प्रति हमारी समझ विकसित होती है। डॉ. सत्यदेव ने कहा कि भाषा और साहित्य का दायरा असीमित है, साहित्य का अनुशीलन हमें दिव्यता प्रदान करता है। रासबिहारी गौड़ ने कहा कि साहित्य जब संवेदना जगाना सीख लेता है, तब वह परिवर्तन का वाहक बनता है। प्राचार्या डॉ. मंजुला मिश्रा, डॉ. शमा खान ने भी विचार व्यक्त किए। डॉ. अनंत भटनागर ने कहा कि विभाजन को तोड़ना ही समरसता को स्वीकार करना है। डॉ. प्रवीण मिर्धा और डॉ. बबीता काजल ने पत्रवाचन किया। तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. सुनीता अवस्थी ने की।

दैनिक नवज्योति Ajmer City - 15 Sep 2022 - Page 6

हिन्दी मूल भाव और भावनाओं की भाषा

जीजीसीए में हिन्दी साहित्य एवं सामाजिक समरसता पर संगोष्ठी

कासं./नवज्योति, अजमेर

कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय की क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ. सुनीता पचौरी ने कहा कि हिन्दी हमारे मूल भावों-भावनाओं की भाषा है। भाषा के क्षेत्रीय रूप भाषा के सौन्दर्य को परिवर्धित करते हैं। वे बुधवार को हिन्दी दिवस पर राजकीय कन्या महाविद्यालय में राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'हिन्दी साहित्य का समकाल एवं सामाजिक समरसता' विषय पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि साहित्य पढ़ना और रचना, भाषा के प्रति हमारी समझ को विकसित करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या डॉ. मंजुला मिश्रा ने हिन्दी भाषा का महत्व समझाते हुए बताया कि हिन्दी हमारे व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा है। सहजता के साथ इसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि रासबिहारी गौड़ ने किसी भी भाषा को उस भाषा का साहित्य समृद्ध बताया।

साहित्य जब संवेदना जगाना सीख लेता है, तब वह परिवर्तन का वाहक बनता है। डॉ. मधु खण्डेलवाल एवं डॉ. सत्यदेव ने मुख्य वक्ता के रूप में हिन्दी दिवस का महत्व समझाया। इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'तरंगिणी' का विमोचन भी किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. अनंत भटनागर रहे। डॉ. प्रवीण मिर्धा एवं डॉ. बबीता काजला ने और तृतीय सत्र में डॉ. सुनीता अवस्थी, डॉ. विमलेश शर्मा, भुवनेश, सांभर, श्रीमती ज्योति, सौम्य ने पत्र-वाचन किया। कार्यक्रम में डॉ. शमा खान, डॉ. मंजूश्री गुप्ता, अलका पंवार, डॉ. लीलू व्यास आदि मौजूद रहे।

सोने चांदी

वाणिज्य संवाददाता

अजमेर, 14 सितम्बर। कप्तान दुर्गा प्रसाद चौधरी कृषि उपज मंडी में बुधवार को मांग नरमी के चलते भावों में स्थिरता रही। आज के भाव इस प्रकार है-

अनाज (कर अतिरिक्त) - गेहूं ग्रेडिंग 2600-2900 देशी-शर्बती 3600 -5100, गेहूं मिल 2250-2270, जौ 2800-3000, मक्का पोल्ट्री 2150-2200, मक्का देशी

न्यूज डायरी

अजमेर के राजकीय कन्या महाविद्यालय में हिंदी दिवस मनाया

अजमेर हीरालाल नील

अजमेर के राजकीय कन्या महाविद्यालय में आज राजस्थान साहित्य अकादमी के सहयोग से महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया इसके अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालय से आए अतिथियों ने हिस्सा लिया प्राचार्य मंजुला मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ अनंत भटनागर रासबिहारी गॉड एवं डॉ सुनीता अवस्थी के साथ महाविद्यालय के वक्ताओं ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया

प्रेस रिलीज -विविध समाचार पत्र

2. विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी , 2023- राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर में हिंदी विभाग के तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 10 जनवरी , 2023 को ' हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य ' विषय पर व्याख्यान एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया ।इसमें मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. मंजु श्री गुप्ता ने अपना व्याख्यान दिया । उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाने की संकल्पना 10 जनवरी , 2006 को हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा की गयी थी। वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिन्दी में उद्बोधन देकर हिन्दी की गरिमा को बढ़ाया है। हिन्दी की इस विकास यात्रा को यहाँ तक पहुँचने में हम हिन्दी भाषियों का ही योगदान नहीं विदेशी विद्वानों व अप्रवासी भारतीयों का भी महत्त्वपूर्ण अवदान है।इसी क्रम में डॉ. विमलेश शर्मा व डॉ . अंजु ने भी हिन्दी के सामाजिक सरोकारों , भाषिक सजगता व अन्य बिन्दुओं पर अपने विचार रखे । इस अवसर पर स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा रिषिका सक्सेना ने हिन्दी की साहित्यिक परंपरा पर अपने विचार व्यक्त किए । इस व्याख्यान एवं परिचर्चा में पचास से अधिक छात्राओं ने भाग लिया ।

विश्व हिन्दी दिवस - 10 जनवरी , 2023	समाचार पत्रों में

3. हिन्दी परिषद् का उद्घाटन - 17 जनवरी 2023 - राजकीय कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर हिन्दी परिषद का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व महासचिव पद पर क्रमश: विशाखा शर्मा एम.ए. उत्तरार्द्ध, तुलसी गुजराती , प्रियंका गोयल व शगुन घारू एम.ए. पूर्वार्द्ध की छात्राएँ निर्वाचित की गई। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शमा खान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए हिन्दी कार्यकारिणी से परिचित कराते हुए हिन्दी के अवदान तथा साहित्य की विविध भंगिमाओं से परिचित करवाया । प्राचार्य डॉ मंजुला मिश्रा ने हिन्दी साहित्य की समृद्धता से परिचय कराते हुए छात्राओं को नियमित रहकर अध्ययन करने व साहित्य से लाभान्वित होने की बात कही । डॉ. विमलेश शर्मा ने अपने उद्बोधन में रांगेय राघव , अरविन्द कुमार व बाबू गुलाबराय के साहित्यिक अवदान पर बात करते हुए हिन्दी साहित्य के वर्तमान परिदृश्य पर बात की । डॉ अंजु ने मौजूदा साहित्यिक परिदृश्य पर विविध दृष्टिकोणों से बात की । उन्होंने अपने आभार ज्ञापन में सभी छात्राओं को सक्रिय रहकर सहभागिता करने की बात कही । डॉक्टर जय त्रिपाठी नवागंतुक सदस्य ने साहित्य सरोकारों को बताते हुए अपनी कविता का पाठ किया । रिषिका शर्मा , कृष्णा मेडतिया , नीशु आदि छात्राओं ने साहित्यिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम समृद्ध किया । कार्यक्रम का संचालन शोध छात्रा सुषमा शर्मा ने किया ।

हिन्दी परिषद् का उद्घाटन - 17 जनवरी 2023	हिन्दी परिषद् का उद्घाटन - 17 जनवरी 2023

4. <u>रचनात्मक गतिविधियाँ-</u> राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर के हिन्दी विभाग एवं साहित्यक मंच के तत्वावधान में दिनांक 20 तथा 21 जनवरी को साहित्यिक मंच व हिन्दी विभाग के तत्त्वावधान में कविता लेखन , निबंध लेखन , कहानी लेखन ,आशुभाषण प्रतियोगिता , वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया । ये प्रतियोगिताएँ छात्राओं में साहित्यिक रुझान एवं साहित्यिक जागरूकता के लिए किया गया । दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रमों के प्रथम दिन पर प्राचार्य डॉ मंजुला मिश्रा ने सभी छात्राओं को उनकी प्रस्तुतियों को प्राभाविक बनाने के लिए विविध प्रकार के सुझाव दिए । उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रतियोगिताएँ छात्राओं को वैचारिक , व्यक्तित्व और रचनात्मक रूप से समृद्ध करती हैं तथा मंच आपको भाषिक रूप से निखारता है इसलिए अधिकाधिक संख्या में भाग लेना चाहिए । साहित्यिक मंच प्रभारी डॉ शमा खान ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा प्रतियोगिताओं की नियमावली से परिचय करवाया । इन प्रतियोगिताओं में चालीस से अधिक छात्राओं ने भाग लिया तथा रोचक विषयों पर अपनी प्रस्तुतियाँ दी । कविता लेखन में छात्राओं ने स्वरचित कविताएँ प्रस्तुत की । महिलाओं की सामाजिक उन्नति एवं विकास की दिशा विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में छात्राओं ने समसामयिक प्रसंगों का समावेश करते हुए प्रभावी लेखन का उदाहरण प्रस्तुत किया। आशुभाषण में प्रथम स्थान कविता मेघवंशी द्वितीय विनोद कँवर राजावत तथा तृतीय स्थान पर भाविका रही। कविता लेखन का विषय सफलता व जीवन मूल्य

रखा गया तथा इस प्रतियोगिता में कविता मेघवंशी बीए द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, डिम्पल प्रजापत बी एस सी तृतीय वर्ष, तृतीय स्थान रिषिका सक्सेना ने प्राप्त किया । कहानी लेखन में प्रथम रिशिका सक्सेना प्रथम। द्वितीय नंदिनी चौहान व डिम्पल प्रजापत तृतीय रहीं । निबंध लेखन में प्रथम डिम्पल प्रजापत ,सोफ़िया बानो बीए प्रथम वर्ष व सावित्री मस्तूरिया बी ए द्वितीय वर्ष व तृतीय स्थान पर संस्कृति बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा रही । इसी क्रम में वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय मोबाइल एक ज़रूरी वस्तु है विषय रखा गया जिसमें प्रथम स्थान कविता मेघवंशी , द्वितीय उन्नति छीपा तथा तृतीय स्थान डिम्पल प्रजापत और रवीना साहू ने प्राप्त किया । साहित्यक प्रतियोगिता में साहित्य के विविध कालखंडो व रचनाकारों पर प्रश्न पूछे गए । प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान निशु गुर्जर द्वितीय स्थान पार्वती माली तथा तृतीय स्थान डिम्पल प्रजापत ने प्राप्त किया । निर्णायक गणों के रूप में डॉ शमा , डॉ योगेन्द्र , डॉ बृज किशोर ,डॉ दुर्गा खत्री , डॉ विमलेश व जय कृष्ण त्रिपाठी रहे । हिन्दी विभाग की डॉ अंजु ने कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार व्यक्त किया । संचालन डॉ अलका पँवार और शोधछात्रा सुषमा ने किया ।

कविता लेखन में रिशिका प्रथम

अजमेर. साहित्यिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती छात्राएं।

अजमेर @ पत्रिका. राजकीय कन्या महाविद्यालय में साहित्यक मंच और हिंदी विभाग के तत्वावधान में कविता, कहानी, निबंध लेखन, आशुभाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा साहित्यिक प्रश्नोत्तरी हुई। प्राचार्य मंजुला मिश्रा ने कहा कि प्रतियोगिताएं वैचारिक, व्यक्तित्व और रचनात्मक रूप से समृद्ध करती हैं। साहित्यिक मंच प्रभारी डॉ. शमा खान ने स्वागत किया। आशुभाषण में कविता मेघवंशी प्रथम, विनोद कंवर द्वितीय, भाविका तृतीय रही। कविता लेखन में कविता मेघवंशी प्रथम, डिम्पल प्रजापत द्वितीय, रिशिका तृतीय रही। कहानी लेखन में रिशिका सक्सेना प्रथम, नंदिनी चौहान द्वितीय, डिम्पल प्रजापत तृतीय, निबंध लेखन में डिम्पल प्रजापत प्रथम, सोफिया बानो द्वितीय और सावित्री तृतीय रही। वाद विवाद में कविता प्रथम, उन्नति छीपा द्वितीय, डिंपल तृतीय रही। प्रश्नोत्तरी में निशु गुर्जर प्रथम, पार्वती माली द्वितीय, डिंपल तृतीय रही। डॉ. योगेन्द्र, बृजकिशोर, दुर्गा खत्री, विमलेश शर्मा व जयकृष्ण त्रिपाठी निर्णायक रहे।

5. हिन्दी विभाग में डॉ. शमा खान के निर्देशन में वर्तमान में आठ शोधार्थी , डॉ. विमलेश शर्मा केनिर्देशन में 3 तथा डॉ. अंजु के निर्देशन में 4 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। इनमें से डॉ शमा खान के निर्देशन में 4 शोधार्थी तथा डॉ विमलेश शर्मा के निर्देशन में एक शोधार्थी ने शोध प्रबंध विवि को जमा करवा दिया है। वर्तमान में 5 शोधार्थी नेट जे आर एफ शोध कर रहे हैं । यह विभाग की महनीय उपलब्धि है।
6. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में श्री जय कृष्ण त्रिपाठी ने जनवरी माह में संकाय सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है
7. सर्वाधिक अंकों के आधार पर कृपि जोशी एम ए उत्तरार्ध 2022 की छात्रा को हिंदी पदक तथा नेहरू को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
8. विभाग के सदस्य डॉ. शमा, डॉ.विमलेश व डॉ.अंजु ने सत्र पर्यन्त शोधपरक गतिविधियों यथा पुस्तक लेखन आदि कार्यों में रत रहे । डॉ.अंजु ने इस सत्र में मुक्ति पत्र कहानी संग्रह तथा डॉ.विमलेश शर्मा ने 'हिन्दी की दलित कविता ' तथा 'कथा- कौस्तुभ' किताबों का सृजन किया । विभाग के सदस्यों ने इस सत्र में पाँच शोध-पत्र लिखे ।

हिन्दी विभाग

1. डॉ.शमा खान-

विभागाध्यक्ष

2. डॉ.विमलेश शर्मा

3. डॉ.अंजु
4. श्री जय कृष्ण त्रिपाठी